

प्रेषक,

मनीषा पवार,

सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

समस्त जिलाधिकारी

उत्तराखण्ड।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 15 मई, 2009

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के लेखानुदान में समाज कल्याण विभाग से सम्बन्धित अनुदान संख्या 15, 30 एवं 31 के आयोजनागत पक्ष में जिला योजना अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 205/XXVII/(1)/2009 दिनांक 25 मार्च, 2009 की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुये मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 (01 अप्रैल, 2009 से 31 जुलाई, 2009) के लेखानुदान में अनुदान संख्या 15, 30 एवं 31 के आयोजनागत पक्ष में जिला योजना के अन्तर्गत विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशि में संलग्न विवरण के अनुसार जनापदवार फांट करते हुये कुल ₹0 10,47,000/- (₹0 दस लाख सैंतालीस हजार मात्र) की धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष में 2009-10 में वित्त विभाग के उक्त शासनादेश में उल्लिखित एवं निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फंजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशपलों निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. लेखानुदान द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहे वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी ओर ताल स्याही से अनुदान संख्या-15, 30 एवं 31 तथा आयोजनागत शब्द स्पष्ट लिखा जाए अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर लें कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।

6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।
7. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
8. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
9. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
10. बी0एम0-13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
11. किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेंट रूल्स 2008 वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
12. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के अनुदान संख्या-15, 30 एवं 31 के आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा।
13. यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-58(P) XVII(3)/2009-10 दिनांक 11 मई, 2009 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

(मनीषा पंवार)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 220/XVII-02/09-बजट 10(17)/2009 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त, गढ़वाल मंडल, पौड़ी/कुमायूँ मंडल, नैनीताल।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
5. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, समाज कल्याण उत्तराखण्ड, हल्द्वानी, नैनीताल।
7. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
8. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. आदेश पत्रिका।

आज्ञा से,

(मनीषा पंवार)
सचिव।

लेखाशीर्षक : 2235-60-102-04-00
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
 उप मुख्य शीर्षक : 60-अन्य सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम
 लघु शीर्षक : 102-समाज सुरक्षा योजनाओं के अधीन पेंशन
 उप शीर्षक : 04-पेंशन शिविरों का आयोजन
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00-

मानक मद : 42-अन्य व्यय

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र०सं०	जनपद का नाम	आवृत्ति धनराशि
1	नैनीताल	0.32
2	ऊधम सिंह नगर	1.13
3	अल्मोड़ा	0.17
4	पिथौरागढ़	0.16
5	बागेश्वर	0.88
6	चम्पावत	0.26
7	देहरादून	0.32
8	पौड़ी	0.97
9	टिहरी	0.64
10	चमोली	0.48
11	उत्तरकाशी	0.19
12	रूद्रप्रयाग	0.48
13	हरिद्वार	0.00
योग		6.00

(रुपये छ लाख मात्र)



अनुदान संख्या-30

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-101-02-06

मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण

उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण

लघु शीर्षक : 101-विकलांग व्यक्तियों का कल्याण

उप शीर्षक : 02-अनुसूचित जातियों के लिये स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान

ब्यौरेवार शीर्षक : 06-विकलांग व्यक्तियों को पुनर्वास हेतु दुकान निर्माण योजना

मानक मद : 20-सहायक अनुदान / अंशदान / राजसहायता

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र०सं०	जनपद का नाम	आवंटित धनराशि
1	नैनीताल	0.07
2	ऊधम सिंह नगर	0.00
3	अल्मोड़ा	0.00
4	पिथौरागढ़	0.00
5	बागेश्वर	0.00
6	चम्पावत	0.07
7	देहरादून	0.07
8	पौड़ी	0.00
9	टिहरी	0.07
10	चमोली	0.12
11	उत्तरकाशी	0.07
12	रूद्रप्रयाग	0.00
13	हरिद्वार	0.00
योग		0.47

4

(रुपये सैतालीस हजार मात्र)

अनुदान संख्या-31

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-796-05-00
मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण
उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण
लघु शीर्षक : 796-जनजाति क्षेत्र उपयोजना
उप शीर्षक : 05-विधवाओं से विवाह करने पर दम्पति को पुरस्कार
ब्यौरेवार शीर्षक : 00

मानक मद : 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता

(धनराशि लाख रुपये में)		
क्र०सं०	जनपद का नाम	आवृत्त धनराशि
1	नैनीताल	0.00
2	ऊधम सिंह नगर	0.04
3	अल्मोडा	0.00
4	पिथौरागढ़	0.00
5	बागेश्वर	0.00
6	चम्पावत	0.00
7	देहरादून	0.00
8	पौड़ी	0.00
9	टिहरी	0.00
10	चमोली	0.00
11	उत्तरकाशी	0.00
12	रूद्रप्रयाग	0.00
13	हरिद्वार	0.00
योग		0.04

(रुपये चार हजार मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या-15, 30 एवं 31 (आयोजनागत) का महायोग

1047

(रु० दस लाख सैंतालीस हजार मात्र)

(मनीषा पंवार)
सचिव।

150509004